

संवैधानिक लेखा STATUTORY AUDITORS

वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
नई दिल्ली
Wahi & Gupta
Chartered Accountants
New Delhi

वी.सी. गौतम एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
नई दिल्ली
V.C. Gautam & Co.
Chartered Accountants
New Delhi

बी. छावछारिया एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
कोलकाता
B. Chhawchharia & Co.
Chartered Accountants
Kolkata

रे एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
कोलकाता
Ray & Co.
Chartered Accountants
Kolkata

जोध जोशी एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
नागपुर
Jodh Joshi and Co.
Chartered Accountants
Nagpur

जे सी आर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
मुंबई
J C R & Co.
Chartered Accountants
Mumbai

अनुक्रमणिका INDEX

क्र. / विषय सूची No.	Contents	पृष्ठ क्र./ Page No.
1. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य	Chairman & Managing Director's Statement	2
2. सूचना	Notice	4
3. निदेशकों की रिपोर्ट	Directors' Report	6
प्रबंध चर्चा और विश्लेषण	Management Discussion and Analysis	6
● स्थूल आर्थिक और मौद्रिक वातावरण	● Macro Economic and Monetary Environment	6
● बैंक का कार्य निष्पादन	● Performance of the Bank	8
● संगठन और समर्थन पद्धति	● Organisation and Support System	11
● सामाजिक बैंकिंग	● Social Banking	19
● बैंक की महत्वपूर्ण योजनाएं/परियोजनाएँ	● Important Schemes / Projects of the Bank	20
● संस्थागत सामाजिक दायित्व	● Corporate Social Responsibility	21
● सहायक कंपनियाँ, संयुक्त उद्यम और प्रायोजित संस्थान	● Subsidiaries / Joint Ventures and Sponsored Institutions	23
● राजभाषा का प्रगामी प्रयोग	● Progressive Use of Official Language	24
● निदेशकों की जिम्मेदारी का कथन	● Directors' Responsibility Statement	24
● निदेशक मंडल में परिवर्तन	● Changes in the Board of Directors	24
4. कॉर्पोरेट गवर्नन्स पर टिप्पणी	Note on Corporate Governance	26
5. तुलनपत्र	Balance Sheet	38
6. लाभ व हानि खाता	Profit and Loss Account	39
7. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	Significant Accounting Policies	48
8. लेखों पर टिप्पणियाँ	Notes on Accounts	52
9. नकदी प्रवाह विवरण	Cash Flow Statement	82
10. लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report	84
11. बैंक के समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statement of the Bank	86
12. इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) फॉर्म	Electronic Clearing Service (ECS) Form	109
13. उपस्थिति पर्ची	Attendance Slip	110
14. प्रॉक्सी फॉर्म	Proxy Form	111

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

30 अप्रैल, 2010

CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

30 April, 2010

प्रिय शेयरधारकों,

दिनांक 31.03.2010 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

वर्ष 2009-10 बैंक के इतिहास में एक महत्वपूर्ण वर्ष है। क्योंकि यह बैंक का प्लैटिनम जुबली वर्ष भी है। प्लैटिनम जुबली समारोहों की शुरुआत दिनांक 26.11.2009 को भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल के हाथों की गई थी।

वर्ष के दौरान बैंक ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां पार कीं। बैंक का कुल कारोबार रु. 1 लाख करोड़ के लक्ष्य के पार हो गया। बैंक ने 02 मार्च, 2010 को अपनी सभी 1453 शाखाओं को कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) के अंतर्गत लाते हुए एक बड़ी तकनीकी उछाल भरी। इसके साथ ही देश भर में 130 लाख से अधिक ग्राहकों को *कहीं भी कभी भी बैंकिंग की सुविधा* उपलब्ध हो गई। ग्राहकों उपलब्ध तकनीक आधारित सेवाओं के इस उपहार से बैंक एक सर्व वित्तीय सेवाओं का एक मॉल बन गया है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान चक्रवर्धित वार्षिक वृद्धि दर 22 प्रतिशत रही। बैंक ने ग्राहकों, एवं निवेशकों के सक्रिय समर्थन व प्रश्रय तथा सभी कर्मचारियों की सहभागिता से वर्ष 2009-10 के दौरान व्यवसाय में सर्वांगीण वृद्धि दर्ज की। कार्य निष्पादन के महत्वपूर्ण क्षेत्र निम्नानुसार हैं:

1. वित्तीय वर्ष 2009-10 के पूर्वार्ध के दौरान चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद 19.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए कुल व्यवसाय 31.03.2009 को रु. 87,072 करोड़ से बढ़कर 31.03.2010 को रु. 1,04,230 करोड़ हो गया।
2. कुल जमा राशियां 21.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 31.03.2009 के रु. 52,255 करोड़ से बढ़कर 31.03.2010 को रु. 63,304 करोड़ हो गईं। इसमें कम लागत वाली जमा राशियों (चालू व बचत जमा राशियां) का हिस्सा 36.91 प्रतिशत था।
3. वर्ष के दौरान सकल अग्रिमों में रु. 6,109 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई। 17.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 31.03.2009 को रु. 34,817 करोड़ के मुकाबले सकल अग्रिम 31.03.2010 को रु. 40,926 करोड़ रहे।
4. पिछले वर्ष पर 11.17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष 2009-10 को कुल आय रु. 5,326.81 करोड़ थी।
5. पिछले वर्ष पर 17.17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष के लिए निवल लाभ रु. 439.58 करोड़ था।
6. सकल अनर्जक अस्तित्वां 31.03.2009 को 2.29 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 31.03.2010 को 2.96 प्रतिशत हो गई। निवल अनर्जक अस्तित्वां भी दिनांक 31.03.2009 को 0.79 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर दिनांक 31.03.2010 को 1.64 प्रतिशत हो गई।
7. बैंक ने वर्ष के दौरान पूंजीगत निधियों में रु. 600 करोड़ की वृद्धि की जिसमें नवोन्मेष बेमियादी ऋण लिखत (टायर I) के अंतर्गत रु. 70 करोड़ और पूंजी पर्याप्तता अनुपात को मजबूत करने हेतु अपर टायर II व लोअर टायर II बांडों के अंतर्गत रु. 530 करोड़ शामिल हैं।
8. बैंक ने 31-03-2010 को बेसल II के अंतर्गत 12.78 प्रतिशत का पूंजी पर्याप्तता अनुपात प्राप्त कर लिया।
9. पिछले वर्ष के रु. 6.39 करोड़ के मुकाबले इस वर्ष प्रति कर्मचारी व्यवसाय बढ़कर रु. 7.62 करोड़ हो गया।
10. तीसरी नई शाखाएं खोलते हुए कुल शाखा संख्या 1,453 हो गई।
11. वर्ष 2009-10 के दौरान 680 शाखाओं को कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) के अंतर्गत लाते हुए सभी 1,453 शाखाओं अर्थात् 100 प्रतिशत शाखाओं को सीबीएस के अंतर्गत लाया गया।
12. बैंक ने प्लैटिनम जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में तथा संस्थागत सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए विभिन्न समाज कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए जिनमें से एक है "महाबैंक प्लैटिनम जुबली ग्रामीण उन्नति प्रकल्प" के अंतर्गत समन्वित विकास हेतु 75 पिछड़े गांवों को

Dear Shareholders,

I am very happy to present the Annual Report of the Bank together with audited financial statements for the year ended 31.3.2010.

The year 2009-10 is historic for the Bank as it coincides with the Platinum Jubilee Year of the Bank. Mrs. Pratibha Devi Singh Patil, Her Excellency, the President of India inaugurated the Platinum Jubilee celebration at Pune on 26.11.2009.

The Bank crossed several significant milestones during the year. Total business of the Bank crossed Rs. One Lakh crore. The Bank took a giant technological leap on March 2, 2010 by rolling out core banking solution (CBS) at all its 1453 branches. With this, *any time, any where banking facility* is available to Banks' 13 million plus customers across the length and breadth of the country. A bouquet of technology based services which is available to the customer makes the Bank a one stop financial services mall.

During the last three years, compound annual growth rate has been 22 per cent. The Bank has recorded an all round progress during the year 2009-10 with whole hearted support and patronage of customers, investors and the members of staff. Let me highlight the important areas of performance.

1. Total business increased to Rs.1,04,230 crore as on 31.3.2010 from Rs. 87,072 crore as on 31.3.2009, thereby recording a growth of 19.71 per cent under challenging economic conditions during the first half of the FY 2009-10.
2. Total Deposits registered a growth of 21.14 per cent, from Rs 52,255 crore as on 31.3.2009 to Rs. 63,304 crore as on 31.3.2010. The share of low cost deposits (current and saving deposits) was 36.91 per cent.
3. The Gross advances showed a rise of Rs. 6,109 crore during the year. As on 31.3.2010, gross advances stood at Rs. 40,926 crore as against Rs. 34,817 crore as on 31.3.2009, recording a rise of 17.55 per cent.
4. Total income was Rs.5,326.81 crore for the year 2009-10 showing a growth of 11.17 per cent over the previous year.
5. Net profit was Rs.439.58 crore for the year showing a rise of 17.17 per cent over the previous year.
6. As on 31.3.2010, gross NPAs increased to 2.96 per cent as against 2.29 per cent at 31.3.2009. Net NPAs also increased to 1.64 per cent as on 31.3.2010 from 0.79 per cent at 31.3.2009.
7. The Bank raised capital funds of Rs.600 crore during the year, comprising Rs. 70 crore under Innovative Perpetual Debt Instruments (Tier I) and Rs. 530 crore under Upper Tier II and Lower Tier II Bonds to strengthen the capital adequacy ratio.
8. The Bank has achieved a capital adequacy ratio of 12.78 per cent under Basel II as on 31.03.2010.
9. Per employee business has increased to Rs. 7.62 crore for the year from Rs. 6.39 crore for the previous year.
10. Thirty three new branches were opened, taking the branch network to 1,453.
11. 680 branches were rolled out under Core Banking Solution (CBS) during the year 2009-10, thereby covering all the 1,453 branches, i.e. 100 percent branches, under CBS.
12. To commemorate the occasion of the Bank's Platinum Jubilee Year and in fulfillment of its corporate social responsibility, the Bank has undertaken various socially beneficial programmes. One of them is adoption of 75 backward villages for integrated development under 'Mahabank Platinum

अंगीकार करना. इसके अतिरिक्त 25,000 नए स्व-सहायता समूहों का गठन किया जिसके साथ ही बैंक द्वारा प्रायोजित स्व-सहायता समूहों की संख्या 75,000 से अधिक हो गई.

बैंक ने जनकल्याण रक्त पेढी, पुणे में ऑटोमेटेड वायरस स्क्रीनिंग, टच स्क्रीनिंग आदि के लिए पूर्णतः स्वचालित एलिसा प्रोसेसर की स्थापना को प्रायोजित किया.

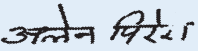
13. बैंक ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के आर्थिक विकास हेतु उन्हें प्रभावी ढंग से ऋण प्रदान किया. सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम के क्षेत्र को ऋण का प्रवाह बढ़ाने हेतु विशेष प्रयास किए गए. वर्ष के दौरान सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम के क्षेत्र के अंतर्गत बकाया अग्रिमों में 32.39 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल ऋण रु. 4069.41 करोड़ पहुंच गया.
14. बैंक ने महाराष्ट्र की राज्य स्तरीय बैंकर समिति के संयोजन और महाराष्ट्र के छह जिलों में अग्रणी बैंक के दायित्व का निर्वाह प्रभावी ढंग से किया.

लाभप्रदता के विभिन्न परिमाणों के अंतर्गत अनुकूल कार्यनिष्पादन को देखते हुए आपके निदेशक बोर्ड ने वर्ष 2009-10 के लिए रु. 2.00 प्रति शेयर (अर्थात 20 प्रतिशत) के लाभांश की सिफारिश की है और मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इसका अनुमोदन करें.

आगामी चुनौतीपूर्ण समय में भी मैं आपसे अपना समर्थन व प्रश्रय पूर्ववत् जारी रखने का निवेदन करता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

आपका,



(अलेन सी.ए. पियरेरा)

Jubilee Gramin Unnati Prakalpa'. This is besides facilitating 25,000 new Self Help Groups, to take the tally of SHGs promoted by the Bank to over 75,000.

The Bank has sponsored the installation of fully Automated Elisa Processor for automated virus screening, touch panel screening etc. at the Jankalyan Rakta Pedhi (Blood Bank), Pune for the benefit of the citizens.

13. The Bank has lent actively to economically weaker sections for facilitating their economic wellbeing. Special efforts were made to enhance flow of credit to MSME sector. During the year, outstanding advances to MSME sector increased by 32.39 per cent, to reach the level of Rs. 4069.41 Crore.
14. The Bank effectively handled the work of Convener, State Level Bankers' Committee for Maharashtra and lead bank responsibility in six districts of Maharashtra.

Having regard to the favourable achievements under various profitability parameters, your Board of Directors have recommended dividend of Rs.2.00 per share (i.e. 20%) for the year 2009-10 and I request you to approve the same.

I solicit your support and patronage as hitherto in challenging times ahead.

With warm regards,

Yours sincerely,



(Allen C. A. Pereira)

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

प्रधान कार्यालय : लोकमंगल कार्यालय, 1501, शिवाजीनगर, पुणे - 411 005

नोटिस

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयरधारकों की सातवीं वार्षिकसाधारण आम सभा शुक्रवार, दिनांक 9 जुलाई, 2010 को सुबह 10.00 बजे, बैंक ऑफ महाराष्ट्र आप्पासाहेब जोग सभागृह, लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे - 411 005 में निम्नलिखित कार्य संव्यवहार संपन्न करने हेतु होगी।

- 31 मार्च, 2010 के तुलनपत्र तथा 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि खाते पर चर्चा करना, उसे अनुमोदित व स्वीकार्य करना और, बैंक के लेखों और लेखा परीक्षा रिपोर्ट की अवधि के दौरान बैंक की गतिविधियों तथा कार्यनिष्पादन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर चर्चा करना।
- 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष हेतु लाभांश घोषित करना।

अलेन सी.ए. पिरैरा

(अलेन सी.ए. पिरैरा)

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

स्थान : पुणे

दिनांक : 30 अप्रैल, 2010

टिप्पणियां

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

बैठक में उपस्थित रहकर वोट डालने के पात्र शेयरधारकों को बैठक में भाग लेने और वोट डालने के लिए अपने स्थान पर प्रॉक्सी की नियुक्ति करने का अधिकार है। ऐसा प्रॉक्सी व्यक्ति बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है। प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर प्रॉक्सी प्रभावित करने के लिए प्रॉक्सी फार्म साधारण वार्षिक आम सभा की दिनांक से चार दिन पूर्व अर्थात् साधारण वार्षिक आम सभा के समाप्त होने के अंतिम घंटों से या **सोमवार, दिनांक 5 जुलाई, 2010** के लिए निर्धारित कार्य के घंटे समाप्त होने के चार दिन पूर्व मिल जाना चाहिए।

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति

कोई भी व्यक्ति बैंक के शेयरधारकों की किसी भी बैठक में तब तक किसी कंपनी या निगम निकाय जो बैंक के शेयरधारक हो, के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए पात्र नहीं हो सकता या वोट नहीं दे सकता जब तक कि उसे नियुक्त करते हुए पारित संकल्प की प्रति, जो कि उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित और अधिप्रमाणित सत्यप्रति है जिसमें प्रतिनिधि की नियुक्ति का संकल्प पारित है, बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक की नियत तिथि से चार दिन पूर्व अर्थात् सोमवार, दिनांक 5 जुलाई, 2010 को या उससे पहले कार्यालय समय की समाप्ति तक या उससे पूर्व जमा नहीं की जाती।

3. उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयरधारकों/ प्रॉक्सीधारकों/ प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र में दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर यह पर्ची आम सभा के स्थान पर देने की कृपा करें। प्रॉक्सी / शेयरधारकों के प्राधिकृत प्रतिनिधि यथाप्रसंग उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र पर उल्लेख करें कि "प्रॉक्सी" या "प्रतिनिधि"।

4. बहियों का बंद होना

बैंक के शेयरधारकों का रजिस्टर तथा शेयर अंतरण रजिस्टर शनिवार 3 जुलाई, 2010 से शुक्रवार 9 जुलाई, 2010 (दोनों दिन मिलाकर) तक वार्षिक आम सभा और लाभांश भुगतान की पात्रता का निर्धारण करने के लिए बंद रहेंगे।

5. लाभांश का भुगतान

शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित लाभांश का भुगतान शेयरधारकों को भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले उन शेयरधारकों को किया जाएगा, जिनके नाम दिनांक 9 जुलाई, 2010 को शेयरधारकों के रजिस्टर में लिखे होंगे और डी-मेट प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों को डिपॉजिटरी द्वारा बैंक को उपलब्ध की गई दिनांक 2 जुलाई, 2010 की सूची के अनुसार लाभांश का भुगतान किया जाएगा और वार्षिक आम सभा की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर लाभांश वारंट डाक द्वारा भेज दिए जाएंगे।

6. अंतरण प्रस्तुतीकरण

अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र को अंतरण के लिए नीचे दिए गए पैरा क्र. 7 में दिए गए पते पर रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को भेजा जाए।

7. पते में परिवर्तन

भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो निम्नलिखित पते पर शेयर अंतरण एजेंट और रजिस्ट्रार को भेजें :

एमसीएस लिमिटेड, (कक्ष : बैंक ऑफ महाराष्ट्र), आफिस क्रमांक 21/22 ग्राउण्ड फ्लोर, काशीराम जमनादास बिल्डिंग, 5, पी.डिमेलो रोड (घाडियाल गोदी), मस्जिद (पूर्व) मुंबई - 400 009 फोन: (022) 2372 6253-56, फैक्स: (022) 2372 6252, ई-मेल: mcspanvel@yahoo.co.in

डिमैट रूप से शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो सीधे अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपन्ट्स को दें।

8. इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा - एनईसीएस / इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सर्विसेस (ईसीएस) और बैंक विवरणों में परिवर्तन

बैंक सभी शेयरधारकों को लाभांश का भुगतान जहां उपलब्ध हो वहां एन-ईसीएस/ईसीएस सुविधा के माध्यम से करने की व्यवस्था करेगा। किसी केन्द्र पर एन-ईसीएस/ईसीएस सुविधा न होने पर बैंक लाभांश वारंट प्रिंट कर शेयरधारकों को भेजेगा।

भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले और इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक शेयरधारक इस रिपोर्ट के साथ संलग्न प्रारूप में बैंक को अपने अधिदेश के साथ अपना प्राधिकार दे सकते हैं। वर्ष 2009-10 के लिए लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से करने के अनुरोध रजिस्ट्रार व अन्तरण एजेंट मेसर्स एमसीएस लि. को भी नीचे अनुच्छेद 7 में दिए गए पते पर दिनांक 2 जुलाई, 2010 से पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

डिमटेरियालाइड रूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारक कृपा नोट करें कि संबंधित डिपॉजिटरीज में पंजिकृत अधिदेश पर लाभांश भेजे हेतु विचार किया जाएगा। अपने बैंक खातों के विवरण में परिवर्तन कराने के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपनी डिपॉजिटरी पार्टिसिपन्ट्स को बैंक खातों का पूर्ण विवरण देते हुए परिवर्तन करने का अनुरोध 2 जुलाई, 2010 को या उससे पूर्व करें।

बैंक में खाता रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे लाभांश जमा करने हेतु बैंक के सीबीएस खातों के विवरण उपलब्ध करें।

9. शेयरधारक/ प्रॉक्सीधारक/ प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति वार्षिक आम सभा में अपने साथ लाएं।

10. बैंक के खातों के संबंध में अधिक जानकारी के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में स्थित निवेशक सेवाएं विभाग को इस आशय का लिखित अनुरोध इस प्रकार भेजें कि वह वार्षिक आम सभा की दिनांक से एक सप्ताह पूर्व उन्हें मिल जाएं ताकि प्रबंधन सूचनाएं तैयार रख सकें। शेयरधारक नोट करें कि सूचनाएं / स्पष्टीकरण केवल वार्षिक आम सभा में ही उपलब्ध किए जाएंगे।

Bank of Maharashtra

HEAD OFFICE: 'LOKMANGAL', 1501, SHIVAJINAGAR, PUNE - 411 005

NOTICE

Notice is hereby given that the Seventh Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Maharashtra will be held on Friday, the 9th July, 2010 at 10.00 a.m. at Appasaheb Joag Auditorium, Bank of Maharashtra, Lokmangal, 1501, Shivajinagar, Pune - 411 005 to transact the following business:

1. To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2010 and the Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2010, the Report of Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.
2. To declare dividend for the year ended 31st March, 2010

Place : Pune

Date : 30th April, 2010



(Allen C.A. Pereira)

Chairman and Managing Director

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE ANNUAL GENERAL MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not less than Four Days before the date of the Annual General Meeting i.e., on or before the closure hours of Monday, 5th July, 2010.

2. APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the Annual General Meeting as a duly authorised representative of a Company or any other Body Corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the Resolution appointing him / her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed, shall have been deposited at the Head office of the Bank not less than Four Days before the date of the Annual General Meeting i.e., on or before the closure hours of Monday, 5th July, 2010.

3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, attendance Slip-cum-Entry pass is annexed to this Report. Shareholders/ Proxy Holders/ Authorised Representatives are requested to fill in and affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/ Authorised Representative of a shareholder should state on the Attendance-cum-slip as Proxy or Authorised Representative as the case may be.

4. BOOK CLOSURE

The Register of shareholders and the share transfer books of the Bank will remain closed from Saturday, the 3rd July, 2010 to Friday, the 9th July, 2010 (both days inclusive) for the Purpose of the Seventh Annual General Meeting and for ascertaining the entitlement for dividend, if any.

5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend to shareholders as recommended by the Board of Directors and as approved by the shareholders shall be paid to those shareholders whose names appear on the Register of Shareholders of the Bank as on 9th July, 2010 and in respect of shareholders holding their share in dematerialised form as per the list provided to the Bank by the Depositories as on 2nd July, 2010 and the dividend warrants shall be mailed within thirty days from the date of Annual General Meeting.

6. LODGEMENT OF TRANSFERS

Share Certificates along with transfer deeds for transfer of shares, should be forwarded to the Registrar and Share Transfer Agent (RTA) at the address given under para No. 7.

7. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders holding shares in physical form are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent (RTA) of the Bank at the following address:

MCS Limited, Unit: Bank of Maharashtra, Office No.21/22, Ground Floor, Kashiram Jamnadas Bldg., 5, P.D. Mello Road, (Ghadiyal Godi), Masjid (E), Mumbai-400 009. Tel No 022-2372 6253-56, Fax: 022-2372 6252 E-mail: mcspanvel@yahoo.co.in

Shareholders holding shares in Dematerialized Form are requested to intimate changes if any, in their address directly to the respective Depository Participants.

8. National Electronic Clearing Services-N-ECS/ Electronic Clearing Services (ECS) and Change in Bank Details

The Bank will arrange to make payment of dividend through N-ECS / ECS facility, wherever available, to all shareholders of the Bank. In the absence of N-ECS / ECS facility at certain centers, the Bank shall print and send the physical dividend warrants to the shareholders.

Shareholders holding their shares in physical form, who wish to avail ECS facility may authorize the Bank with their ECS Mandate in the prescribed form annexed to this Report. The request for payment of dividend through ECS for the year 2009-10 should be lodged with Registrar and Share Transfer Agent (RTA)-MCS Ltd at address mentioned under para 7 on or before 2nd of July, 2010.

Shareholders holding shares in Dematerialized form may please note that ECS mandate as recorded with the respective depositories will be considered for sending dividend through ECS. Shareholders who wish to change Bank account details are requested to advise their depository participants only about such change with complete details of Bank Account on or before 2nd July, 2010.

Shareholders maintaining account with the Bank are requested to provide to the Bank, CBS Bank account details to credit their accounts towards dividend.

9. Shareholders/ Proxy holders/ Representatives are requested to bring their copies of the Annual Report to the Annual General Meeting.

10. Shareholders who wish to seek any information on the accounts are requested to write to the Investor Services Department of the Bank at its Head Office, which should reach the Bank atleast one week before the date of the Annual General Meeting so as to enable the Management to keep the information ready. Shareholders may note that information/clarification shall be provided only at the Annual General Meeting.

निदेशक मंडल 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, तुलनापत्र और लाभ-हानि खाते के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

1. सूक्ष्म आर्थिक और मौद्रिक वातावरण

1.1 वैश्विक अर्थव्यवस्था

वर्ष 2008 के वैश्विक संकट के कारण पैदा हुई आर्थिक मंदी से वैश्विक अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे उभर रही है। पिछली दो तिमाहियों में लगाए गए वृद्धि के अनुमानों से विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार आने की गति यद्यपि कुछ अधिक है। किंतु वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी नाजुक है और कुछ सीमित क्षेत्रों पर निर्भर है। पिछली कुछ तिमाहियों में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि चीन और भारत के नेतृत्व वाली उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं के कार्य निष्पादन पर निर्भर थी और अपेक्षा है कि वर्ष 2010 में भी यह निर्भरता जारी रहेगी।

उन्नत विश्व में भी आर्थिक सुधार की गति अलग-अलग थी। जब लगभग आधा यूरोप मंदी से बाहर आने के लिए जूझ रहा था तब अमरीका में उद्योग और सेवा क्षेत्र ने फरवरी 2010 में उत्साहवर्धक वृद्धि दिखाई। अमरीका में अभी भी विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि उनका देश मंदी से बाहर नहीं आया है। अमरीका और यूरोपियन देशों में बेरोजगारी की दर काफी अधिक है, जो उनकी अर्थव्यवस्था में सुधार पर प्रश्नचिह्न लगाती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने अनुमान लगाया है कि बेरोजगारी की दर वर्ष 2011 तक उच्च स्तर पर बनी रहेगी।

1.1.1 दृष्टिकोण

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने विश्व उत्पादन के अनुमानों में 1 प्रतिशत वृद्धि का सुधार कर 4.2 प्रतिशत की उच्चतर वृद्धि का अनुमान लगाया है। विश्व व्यापार की मात्रा में वर्ष 2009 में आई (-) 10.7 प्रतिशत की कमी की तुलना में वर्ष 2010 में 7 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। इसलिए निर्यात उन्मुख एशियन अर्थव्यवस्थाओं को तीव्र गति से वृद्धि करने में सुधारित विश्व व्यापार परिदृश्य सहायक हो सकता है।

उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में अधिकांश सुधार और उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि भारी सरकारी खर्च के कारण है। सरकारों द्वारा मुक्त रूप से लोक ऋण की फंडिंग करने के कारण लोक ऋण प्रबंधन की जोखिम बढ़ गई है।

1.2 भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था भी चीन की अर्थव्यवस्था के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार में योगदान दे रही है। औसत से कम मानसून के कारण कृषि उत्पादन में होने वाली संभावित कमी और वित्तीय वर्ष के पूर्वार्ध में निर्यात के लिए सतत कम मांग के उपरांत भी वर्ष 2008-09 में हुई 6.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में मार्च 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष में उत्पादन में 7.2 और 7.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वित्तीय और मौद्रिक, दोनों प्रकार के प्रोत्साहन पैकेजों के अपेक्षित परिणाम मिल रहे हैं। चूंकि आर्थिक वृद्धि अब विस्तृत क्षेत्रों पर आधारित है इसलिए उत्पादन की वृद्धि के प्रति चिंता गौण हो गई है। सरकारी खर्चों में वृद्धि के कारण मुख्य रूप से वर्ष 2008-09 में उत्पादन बढ़ा था। इस वर्ष वृद्धि मुख्य रूप से सुदृढ़ औद्योगिक कार्य निष्पादन तथा सेवा क्षेत्र में सतत रूप से जारी निर्भरता के कारण है। अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत मिलते ही भारत सरकार ने प्रोत्साहन पैकेज धीरे-धीरे वापस लेने के प्रक्रिया आरंभ कर दी है।

अप्रैल-फरवरी 2009-10 की अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में गत वर्ष की तुलना में 10.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिसंबर-फरवरी 2009-10 के दौरान गत वर्ष की तदनुसूची अवधि की तुलना में औद्योगिक क्षेत्र ने प्रत्येक माह 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। प्रमुख बुनियादी संरचनात्मक क्षेत्रों में लगभग शत प्रतिशत क्षमता दोहन हुआ। इसके अतिरिक्त निवेशों में वृद्धि ने मांग में सुधार के प्रारंभिक संकेत दिए। सकल स्थिर पूंजी गठन में परिवर्तन के माध्यम से परिकल्पित की जाने वाली निवेश मांग में दिसंबर 2009 को समाप्त 9 महिनों में गत वर्ष की तदनुसूची अवधि में हुई 4.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई।

निर्यातों में 12 माह से लगातार कमी दर्शाने के बाद पिछले वर्ष की तुलना में अक्टूबर 2009 में निर्यातों में सकारात्मक वृद्धि दिखाई दी। जबकि अर्थव्यवस्था के कायापलट करने से मूल

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Financial Statements, Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2010.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1. MACRO ECONOMIC AND MONETARY ENVIRONMENT

1.1 Global Economy

The global economy is slowly recovering from economic slowdown experienced in the wake of global financial crisis of 2008. Even though the pace of recovery is faster than expected a couple of quarters back, it is still fragile and narrow based. The growth has relied heavily on performance of the emerging market economies (EMEs) led by China and India, and the trend is expected to continue in 2010.

In the advanced world also, trend in economic recovery is divergent. While the industries and services sector in the United States showed encouraging growth in February 2010, about half of Europe is struggling to come out of the recession. Even in the USA, analysts are far from unanimous that the economy is out of recession. Unemployment rates in the USA and European countries are still high and raise question about the extent of recovery. The International Monetary Fund (IMF) has projected unemployment rate to remain high till 2011.

1.1.1 Outlook

The International Monetary Fund (IMF) has revised upward its estimation of growth in global output by one percentage point to 4.2 per cent in 2010. World trade volume is expected to expand by 7 per cent in 2010 as against a contraction of (-) 10.7 per cent in 2009. Improved world trade scenario might, therefore, help the export led Asian economies to grow even faster.

Most of the recovery in advanced economies and the growth in EMEs are due to enormous government expenditure. However, the generous debt funding of public demand by Governments across the world pose a downside risk for public debt management.

1.2 Indian Economy

The Indian economy, along with the Chinese economy, is leading the global economic recovery. Despite a likely reduction in agricultural output due to below average monsoon and continuous fall in demand for exports for the first half of the fiscal, output in the year ending March 2010 is expected to grow between 7.2 and 7.5 per cent as compared to 6.7 per cent in 2008-09. The stimulus measures, both fiscal and monetary, are seen to be yielding positive result. As the economic growth has become broad based, the concern about output growth has subsided. While in 2008-09, growth in output was mainly on account of increase in government expenditure, this year the growth is led by strong industrial performance and continued resilience of the services sector. Taking cue from the early signals of improved economic activities, the government of India has initiated calibrated exit from its fiscal stimulus measures.

During the period April-February 2009-10, the Index of Industrial Production (IIP) increased by 10.1 per cent over the previous year. The industrial sector has posted more than 15 per cent growth every month during December-February 2009-10 over the corresponding months of previous year. Capacity utilization in major infrastructure sectors is near or above 100 per cent. In addition to that, the increase in investment shows early signals of improvement in demand. Investment demand as measured through change in Gross Fixed Capital Formation has increased by 6.9 per cent during nine months to December 2009 as compared to 4.4 per cent during the previous year.

After showing contraction for twelve consecutive months, exports have shown positive growth in October 2009 over the previous year. While it is accepted

प्रभाव पीछे हैं फिर भी वैश्विक मांग में सुधार हुआ है। नवंबर 2009 से आयातों में फिर से वृद्धि होने लगी है। नवंबर 2009 से गैर-तेलीय आयातों में वृद्धि घरेलू मांग में सुधार के संकेत देती है।

वर्ष 2009-10 के उत्तरार्ध में चक्रीय मूल्य स्तर से भी मांग में सुधार स्पष्ट है। वर्ष के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक उच्च स्तर पर बना रहा। अभी हाल में ही थोक मूल्य सूचकांक भी दो अंकों के स्तर से थोड़ा कम रहा है। वर्ष 2009-10 के अंत में परिलक्षित थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति की उच्च दर चिंता का कारण है। क्योंकि गैर खाद्य मदों में मार्च 2010 में 53.3 प्रतिशत के योगदान के कारण ऐसा हुआ है। जबकि नवंबर 2009 में यह योगदान नकारात्मक अर्थात् -0.4 प्रतिशत था। पूंजी आवक प्रवाह में सुधार और गैर खाद्य ऋणों में संभावित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए मुद्रास्फीति में वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा है। अप्रैल-दिसंबर 2009 में निवल पूंजी आवक प्रवाह गत वर्ष की तदनुसूची अवधि के यूएस डॉलर 7 बिलियन की तुलना में यूएस डॉलर 42 बिलियन तक काफी अधिक था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान सीआरआर में 75 आधार अंक और अप्रैल 2010 में और 25 आधार अंक की वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था से तरलता कम हुई। नवंबर 2009 में 25 आधार अंकों से एसएलआर बढ़ा दिया गया था।

1.3 घरेलू बैंकिंग परिदृश्य

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियां वर्ष 2009-10 में रु.6,54,798 करोड़ से बढ़ी और दिनांक 26.03.2010 को रु.44,21,639 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई। इस प्रकार वर्ष 2008-2009 में हुई 19.8 प्रतिशत की तुलना में 17.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। खराब मानसून, निजी उपभोक्ता मांग और वैश्विक मांग का अधिक मात्रा में औद्योगिक क्षमता वृद्धि के कारण 30 अक्टूबर, 2009 को बैंक ऋण वृद्धि की दर घट कर 9.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। गैर खाद्यान्न बैंक ऋणों में लगातार आ रही कमी को उल्टा मोड़ दिया गया और उसके उपरान्त भी वर्ष 16.9 प्रतिशत की वृद्धि पर समाप्त हुआ। जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने 16 प्रतिशत की संकेतात्मक वृद्धि दर निश्चित की थी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित आंकड़ें प्रकट करते हैं कि वर्ष 2009-10 में 26 फरवरी, 2009 तक कृषि को ऋण प्रवाह 24.4 प्रतिशत तक था, जो कि गत वर्ष की तुलना में अधिक था। जबकि उद्योगों को ऋण प्रवाह में वृद्धि 20 प्रतिशत तक थी व्यक्तिगत ऋणों में यह केवल 4.7 प्रतिशत थी। प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिमों में 22.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि छोटे उद्यमों को ऋण प्रवाह में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश में वर्ष दर वर्ष आधार पर 18.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई और दिनांक 26.03.2010 तक कुल निवेश रु. 13,82,684 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि गत वर्ष की तदनुसूची अवधि में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश से जमा का अनुपात 26.03.2010 को वर्ष पूर्व के 30.97 प्रतिशत की तुलना में 31.27 प्रतिशत रहा।

1.4 घरेलू अर्थव्यवस्था परिदृश्य

उच्च वृद्धि मार्ग पर भारत वापस आ गया है। वर्ष 2009-10 के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान लगातार उच्चतर स्तर पर संशोधित किए जाते रहे हैं। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने 7.5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान लगाया है। वर्ष 2010 में सामान्य मानसून के अनुमानों के साथ आशा की जा रही है कि घरेलू और वैश्विक मांग में तेजी आएगी। औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के अच्छे कार्य निष्पादन के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2010-11 के दौरान 8 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस प्रकार की वृद्धि को समर्थन देने के लिए गैर खाद्य बैंक ऋण में 20 प्रतिशत की वृद्धि और बैंकों की समग्र जमाराशियों में 18 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

आने वाले समय में मुद्रास्फीति पर रोक लगाना मुख्य चुनौती होगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपेक्षा की है कि मार्च 2010 की 9.9 प्रतिशत थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मार्च 2011 तक घट कर 5.5 प्रतिशत तक आ जाएगी। निवल पूंजी, अंतर प्रवाह में वृद्धि और उसके परिणामस्वरूप मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि, अंतर्राष्ट्रीय वस्तुओं के बढ़ते हुए मूल्य, विशेषकर तेल और धातु और घरेलू मांग में उछाल मुद्रास्फीति को प्रभावित करने वाले प्रमुख घटक हैं। यदि वर्ष 2010-11 के लिए केन्द्र सरकार की बजट की हुई निवल उधारी और मुद्रास्फीति नियंत्रण को भारतीय रिजर्व बैंक की उच्च मौद्रिक नीति प्राथमिकता माना जाए तो अगले वित्तीय वर्ष के दौरान घरेलू तरलता में तुलनात्मक रूप से कमी आएगी। बैंकिंग उद्योग के सामने अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों, विशेषकर कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, बुनियादी संरचना और निर्यात उन्मुख इकाइयों को उचित दरों पर ऋण उपलब्ध करना व तरलता प्रबंधन करना ही प्रमुख चुनौतियां होंगी।

that base effect is behind the turn around, there is improvement in global demand also. Imports started growing once again since November 2009. Acceleration in non-oil imports since November 2009 indicates early recovery in domestic demand.

Improvement in demand is also evident from the spiraling price level during the second half of 2009-10. The consumer price indices remained high throughout the year. Of late, the wholesale price index (WPI) is also rising at a tad below the double digit rate. The high rate of WPI inflation observed towards the end of 2009-10 is a matter of concern because it has become more generalized with contribution of non-food items increasing to 53.3 per cent in March 2010 from negative at (-) 0.4 per cent in November 2009. Inflation expectations are further building up in view of pick up in capital inflow and likely resurgence in non-food credit. Net capital inflow in April-December 2009 was substantially higher at US\$ 42 billion as compared to US\$ 7 billion in the corresponding period last year. The system was flush with liquidity and as a liquidity tightening measure, the Reserve Bank of India (RBI) raised CRR by 75 basis points (bps) during 2009-10 and by further 25 bps in April 2010. SLR was restored to 25 per cent in November 2009.

1.3 Domestic Banking Scenario

Aggregate deposits of scheduled commercial banks (SCBs) increased by Rs. 6,54,798 crore during 2009-10 and stood at Rs. 44,21,639 crore as at 26.03.2010, showing a growth rate of 17.4 per cent as compared to 19.8 per cent recorded during 2008-09. Due to poor monsoon rains, lack of private consumption as well as global demand, besides excess industrial capacity, growth in bank credit dipped to a low of 9.5 per cent as of 30.10.2009. The trend of declining growth in non-food bank credit has been reversed since then and the year has ended with a growth rate of 16.9 per cent, above the 16 per cent revised indicative rate set by the RBI. The data published by the Reserve Bank of India reveals that during 2009-10 till 26.02.2010, credit flow to agriculture was 24.4 per cent higher than that in the previous year. While flow of credit to industry grew by about 20 per cent, the growth in personal loan was very low at 4.7 per cent. Advances to the priority sector grew by 22.2 per cent and that to small enterprises increased by 22 per cent.

Investments of SCBs in Government and other approved securities have grown by 18.5 per cent y-o-y as of 26.03.2010 to reach the level of Rs. 13,82,684 crore as against 20 per cent growth recorded during the corresponding period in the previous year. The investments to deposit ratio of SCBs stood at 31.27 per cent as of 26.03.2010 against 30.97 per cent a year ago.

1.4 Outlook for Domestic Economy

India is fast returning to the high growth path. Economic growth projections for 2009-10 have been constantly revised upwards with the latest RBI expectation pegging it upto 7.5 per cent. With strong indications of a normal monsoon in 2010, expectations of continued recovery in domestic as well as global demands, good performance of the industrial and services sectors, the RBI projects real GDP to grow at 8 per cent in 2010-11 with an upward bias. To support this kind of growth, non-food bank credit is expected to grow at 20 per cent and aggregate deposits with banks to increase at around 18 per cent.

The twin challenges in the coming days would be macroeconomic stability and financial sector development. The Reserve Bank of India expects WPI based inflation to come down from 9.9 percent in March 2010 to about 5.5 percent in March 2011. Factors which loom large on the inflation front are rise in net capital inflow and resultant growth in money supply, rising international commodity prices, especially those of oil and metals and expected resurgence in domestic demand. Given the budgeted net central government borrowing in 2010-11 and inflation control as top most monetary policy priority of the RBI, there could be curtailment of domestic liquidity in the next fiscal. The challenge before the banking industry is to manage liquidity and ensure adequate credit flow to the core sectors of the economy like agriculture, micro, small and medium enterprises (MSMEs), infrastructure and export oriented units at affordable costs.

2. बैंक ऑफ महाराष्ट्र - 2009-10

बैंक दिनांक 16 सितंबर, 2009 से अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष में प्रवेश कर गया है। वर्ष के दौरान बैंक अधिकांश कारोबारी मानदण्डों पर अच्छा कार्यनिष्पादन दर्शा सका। बैंक ने कुल कारोबार रु. 1,00,000 करोड़ के स्तर को पार के एक नई उपलब्धि हासिल की है।

2.1 कारोबार

बैंक का कुल कारोबार 31.03.2010 को रु. 1,04,230 करोड़ का रहा। इस प्रकार 19.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

2.2 जमा राशियां

चालू व बचत खातों की जमा राशियों में सुदृढ़ वृद्धि के कारण वर्ष के दौरान बैंक की कुल जमा राशियों में रु.11,049 करोड़ की वृद्धि हुई परिणामस्वरूप कुल जमा राशियां रु.63,304 करोड़ की हो गई। इस प्रकार मार्च 2009 के स्तर रु. 52,255 पर 21.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। समान अवधि में समग्र जमा राशियों में 21.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

वर्ष के दौरान चालू खाता बचत खाता जमा राशियों ने वृद्धि में 25.27 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया व दिनांक 31.3.2010 को रु. 23364 करोड़ की रही। समग्र जमा राशियों में बचत व चालू जमा राशियों का हिस्सा 36.91 प्रतिशत था।

2.3 ऋण अभिनियोजन

बैंक में उधारी नीति लागू है जो गुणात्मक ऋण वृद्धि पर बल देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी विभिन्न दिशानिर्देशों तथा भारत सरकार के प्राथमिकता क्षेत्र के मानदण्डों के अनुसार पूर्ण उधारी नीति तैयार की गई है। नीति में महत्व वाले क्षेत्र, जोखिम घटक का प्रतिपादन किया गया है और ऋणों की गुणात्मक वृद्धि के लिए विवेकी विगोपन सीमाओं को भी निर्धारित किया गया है।

सकल अग्रिम 31.03.2009 के रु. 34,817 करोड़ के स्तर से 17.55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बढ़कर 31.03.2010 को रु. 40,926 करोड़ के हो गए।

दिनांक 31.03.2010 को ऋण जमा अनुपात 64.65 प्रतिशत था।

2.3.1 निधियों का खंडवार विनियोजन

बैंक का प्रयास विवेकपूर्ण ऋण संविभाग बनाए रखने और अर्थ व्यवस्था के सभी संवर्गों व क्षेत्रों में ऋण वितरण सुनिश्चित करने का रहा है। बैंक ने अर्थव्यवस्था वृद्धि में योगदान देने वाले कोर, विनिर्माणी, प्राथमिकता क्षेत्र व उसी प्रकार बुनियादी संरचनात्मक सेक्टर को समर्थन देने के अपने प्रयास जारी रखे। राष्ट्रीय आर्थिक वृद्धि प्राथमिकताओं के प्रकाश में बैंक का इस प्रकार का कार्य भविष्य में भी जारी रहेगा।

अनु-क्रमांक	विनियोजित ऋण	31.03.2010 को बकाया रु. करोड़ में	कुल बकाया ऋण से प्रतिशत
1	उद्योग	13655.60	33.37
	इसमें से		
i	अवसंरचनात्मक	7308.48	17.86
ii	रसायन, डाय व पेन्ट इत्यादि	566.86	1.39
iii	पेट्रोलियम	683.74	1.67
iv	लोहा व स्टील	170.62	0.42
v	कपड़ा	823.63	2.01
vi	इंजिनियरिंग	3353.64	8.19
vii	अन्य उद्योग	748.61	1.83
2	कृषि	6249.98	15.27
3	एमएसएमई	4069.41	9.94
4	अन्य प्राथमिकता क्षेत्र	4282.64	10.46
5	फुटकर क्षेत्र	4942.37	12.08
6	आवास	3627.27	8.86
7	शिक्षा	430.02	1.05
8	निर्यात	1088.32	2.66
9	वाणिज्यिक भू संपदा	1122.51	2.74

2.3.2 ऋण प्रशासन और निगरानी

बैंक के पास क्रिम प्रणाली में सभी उधार खातों का व्यापक डाटा आधार है, जिसे कोर बैंकिंग सोल्यूशन से जोड़ दिया गया है। सभी शाखाओं में सीबीएस कार्यान्वित होने के साथ 100 प्रतिशत उधारखातों को क्रिम प्रणाली में संकलित किया गया है।

2. BANK OF MAHARASHTRA - 2009-10

The Bank has entered into Platinum Jubilee year from 16th September, 2009. During the year, the Bank has been able to show good performance on most of the business parameters and crossed the milestone business level of Rs.1,00,000 crore.

2.1 Business

Total business of the Bank stood at Rs.1,04,230 crore as on 31.03.2010 registering a year on year growth of 19.71 per cent.

2.2 Deposits

Driven by robust growth in current and savings account (CASA) deposits, total deposits recorded growth of Rs.11,049 crore during the year to reach Rs.63,304 crore, up by 21.14 per cent over the level of Rs.52,255 crore as at the end of March 2009. Aggregate deposits recorded growth of 21.11 per cent during the same period.

CASA deposits increased by 25.27 per cent and stood at Rs. 23,364 crore as of 31.03.2010. CASA deposits constituted 36.91 per cent of total deposits of the Bank.

2.3 Credit Deployment

The Bank has put in place a lending policy with emphasis on qualitative credit growth. The policy is in full conformity with the guidelines issued by RBI and also the Priority Sector lending norms of the Government of India. It enunciates the thrust areas, risk factors and also sets out prudential exposure limits to facilitate qualitative expansion of credit.

The gross advances increased from Rs.34,817 crore as on 31.03.2009 to Rs.40,926 crore as on 31.03.2010 with growth of 17.55 per cent.

The Credit Deposit Ratio (CDR) as on 31.03.2010 was 64.65 per cent.

2.3.1 Sectoral Deployment of Credit

The Bank has endeavoured to maintain a diversified credit portfolio and ensured credit disbursal across sectors and various segments of the economy. The Bank has continued its efforts to support core, manufacturing and priority sectors as well as infrastructure projects, which serve to drive economic growth. This focus of the Bank will continue in future, in line with the national priorities in economic growth.

Sr. No.	Credit deployed	31.03.2010 Outstanding Rs. in crore	Percentage to total credit outstanding
1	Industry	13655.60	33.37
	Of which		
i	Infrastructure	7308.48	17.86
ii	Chemicals, Dyes, Paints etc	566.86	1.39
iii	Petroleum	683.74	1.67
iv	Iron & Steel	170.62	0.42
v	Textiles	823.63	2.01
vi	Engineering	3353.64	8.19
vii	Other Industries	748.61	1.83
2	Agriculture	6249.98	15.27
3	Micro, Small and Medium Enterprises (MSME)	4069.41	9.94
4	Other priority sectors	4282.64	10.46
5	Retail sector	4942.37	12.08
6	Housing	3627.27	8.86
7	Education	430.02	1.05
8	Exports	1088.32	2.66
9	Commercial real estate	1122.51	2.74

2.3.2 Credit Administration and Monitoring (CREAM)

The Bank has developed "CREAM" system, a comprehensive database of all borrowal accounts, which is now integrated with Core Banking Solution (CBS). With implementation of CBS at all branches, 100 per cent borrowal accounts are captured in CREAM.

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार उचित आय अभिनिर्धारण और आस्ति वर्गीकरण के लिए क्रीम प्रणाली एक प्रभावी प्रबंध सूचना प्रणाली का उद्देश्य पूरा करती है। प्रत्येक उधार खाते में टर्नओवर/वसूली का पता लगाने में क्रीम प्रणाली का डाटा-बेस मददगार होता है और आस्ति गुणवत्ता में सुधार करने या उसे बनाए रखने हेतु समय पर प्रभावी निगरानी करने के लिए पूर्व चेतावनी संकेत पकड़ने में सहायक होता है।

उधार खाते की ऋण गुणवत्ता की और अधिक निगरानी, आवधिक रूप से आस्ति पुनरीक्षण व ऋण लेखा परीक्षा के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है।

ऋण निगरानी का उद्देश्य ऋण गुणवत्ता ऋण प्रशासन, विनियमनकारी अनुपालन में सुधार करना तथा ऋण अनुमोदन प्रक्रिया की समीक्षा करना है।

CREAM serves the purpose of an effective Management Information System (MIS) for proper Income Recognition and Asset Classification (IRAC) as per RBI norms. The database helps to track the recovery/turnover in each borrowal account and helps to pick up early warning signals for timely and effective monitoring of the accounts, for retaining/improving asset quality.

The credit quality of borrowal accounts is further monitored through periodical asset performance review and credit audit.

Credit monitoring aims at improving the credit quality, credit administration, regulatory compliance and review of credit approval process.

2.4 आस्ति निष्पादन

रु. 54.49 करोड़ की अनर्जक आस्तियों को कोटिउन्नित करने के अलावा बैंक ने वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान अनर्जक आस्तियों में रु. 254.27 करोड़ की वसूली की है। इसमें से लेजर शेष में रु. 174.04 करोड़, बट्टाखाते में डाले गए खातों रु. 54.49 करोड़ और न लगाई गई ब्याज में रु. 21.85 करोड़ की वसूली हुई है।

गत वर्ष हुई वसूली (रु. 210.53 करोड़) की तुलना में बैंक ने इस वर्ष 21 प्रतिशत अधिक वसूली की है। अतिदेयताओं की वसूली हेतु चूककर्ता उधारकर्ताओं के साथ गहन अनुवर्तन, SARFAESI अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रतिभूति प्रवर्तन का प्रभावी कार्यान्वयन, जटिल अनर्जक अग्रिमों में ऋण वसूली हेतु किए गए अथक प्रयास, सुरक्षित आस्तियों की वसूली के लिए ऋण वसूली अभिकरण से प्राप्त वसूली प्रमाणपत्रों का शीघ्र निष्पादन इत्यादि के कारण यह संभव हो पाया है।

सकल अनर्जक अग्रिमों से सकल अनर्जक आस्तियों का अनुपात दिनांक 31.03.09 के 2.29 प्रतिशत से बढ़ कर दिनांक 31.03.2010 को 2.96 प्रतिशत और निवल अनर्जक अग्रिमों से निवल अनर्जक आस्तियों का अनुपात गत वर्ष के 0.79 प्रतिशत से बढ़ कर दिनांक 31.03.2010 को 1.64 प्रतिशत हो गया।

2.5 विदेशी मुद्रा कारोबार और निर्यात वित्त

वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक ने रु. 16,002 करोड़ का व्यापारी आवर्त और रु. 1,78,289.42 करोड़ का अन्तर बैंक आवर्त हासिल किया। बकाया निर्यात ऋण 31.03.2009 के रु. 711 करोड़ की तुलना में 31.03.2010 को रु. 1,088.32 करोड़ के रहे। मुंबई स्थित अन्तरराष्ट्रीय शाखा व समूचे देश में फैले अन्य 28 विदेशी मुद्रा शाखाएं ग्राहकों की विदेशी मुद्रा कारोबार की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। बैंक नियमित रूप से महत्वपूर्ण फोरेक्स केन्द्रों पर आयातको/निर्यातकों के सम्मेलन आयोजित करता है। बैंक ने वर्ष के दौरान अपने डिलिंग रूम में करेंसी फ्यूचर डेस्क का शुभारंभ किया व एमसीएक्स-एसएक्स एक्सचेंज में प्रोपरायटरी ट्रेडिंग शुरू की। ग्राहकों की विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अन्तरराष्ट्रीय डिविजन मुंबई में हेल्प डेस्क स्थापित किया है। वर्ष के दौरान 28 नामित केन्द्रों पर व्यापारी व्यवहारों के लिए स्ट्रेट थ्रो प्रोसेसिंग प्रणाली कार्यान्वित की है।

2.6 निवेश

बैंक के निवेश 31.03.2009 के रु. 18,382 करोड़ की तुलना में दिनांक 31.3.2010 को रु. 21,324 करोड़ के रहे। इस प्रकार 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। 77.94 प्रतिशत निवेश परिपक्वता तक धारित, 22.05 प्रतिशत निवेश विक्रय हेतु उपलब्ध श्रेणी और शेष 0.01 प्रतिशत व्यापार हेतु धारित श्रेणी में रखे गए। गत वर्ष के दौरान निवेशों पर हुई निवल ब्याज आय रु. 989.84 करोड़ से बढ़कर रु. 1,297.90 करोड़ हो गई। इस प्रकार 31.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

2.7 उधारियां

दिनांक 31.3.2010 को बैंक की कुल उधारियाँ नाबार्ड तथा सिडबी से लिए गए रु. 61.47 के पुनर्वित्त सहित रु. 129.45 करोड़ की थीं। दि. 31.03.2009 को कुल उधारियाँ रु. 190.01 करोड़ की थीं।

2.8 अब्याजी आय

अब्याजी आय में वृद्धि के लिए बैंक ने प्रयास जारी रखे। वर्ष 2008-09 में हुई अब्याजी आय रु. 500.02 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2009-10 में रु. 591.24 करोड़ की हो गई। इस प्रकार वर्ष 2008-09 पर 18.24 की वृद्धि दर दर्ज की गई। अब्याजी आय का 34.55 प्रतिशत हिस्सा ट्रेजरी परिचालनों से कमाया गया है। बैंक, आय में अधिक वृद्धि करने हेतु नये साधनों की खोज कर रहा है और बैंक-बीमा तथा म्यूचुअल फंड वितरण व सरकारी कारोबार का समेकन कर रहा है। बैंक ने अब्याजी आय में वृद्धि के लिए ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग जैसी नई मूल्यवर्धित सेवाएं आरंभ की हैं।

2.4 Asset Performance

The Bank has achieved total cash recovery of Rs.254.27 crore in respect of NPAs during the fiscal 2009-10, of which recovery in ledger balance is Rs.174.04 crore, recovery in written off accounts is Rs.58.38 crore and recovery in unapplied interest is Rs.21.85 crore. This is besides up-gradation of NPAs to the tune of Rs. 54.49 crore into performing assets.

The Bank has registered 21 per cent improvement over the previous year's recovery performance (Rs. 210.53 crore). This was possible due to intensive follow up with defaulting borrowers for recovery of overdue amounts; effective implementation of the provisions of SARFAESI Act; vigorous loan recovery measures in respect of chronic NPAs; prompt execution of Recovery Certificates obtained from DRTs for realization of the secured assets, etc.

The ratio of Gross NPAs to Gross Advances has increased from 2.29 per cent as on 31.03.2009 to 2.96 per cent as on 31.03.2010 and the ratio of Net NPAs stood at 1.64 per cent as on 31.03.2010 as against 0.79 per cent a year ago.

2.5 Foreign Exchange Business and Export Finance

During the year 2009-10, the Bank achieved Merchant turnover of Rs.16,002 crore and an Interbank turnover of Rs.1,78,289.42 crore. The outstanding export credit as on 31.03.2010 was Rs.1,088.32 crore as against Rs.711 crore as on 31.03.2009. The International Banking branch at Mumbai and 28 other branches throughout the country cater to the foreign exchange business needs of our customers. The Bank regularly conducts Exporters'/Importers' meets at important centres. During the year, the Bank has set up currency futures desk at its Dealing Room and started proprietary trading in MCX-SX Exchange. A helpdesk has also been set up at the International Division at Mumbai to cater to the requirements of the clients with regard to Foreign Exchange. Straight-through-Processing (STP) of Merchant Transactions was implemented in all 28 designated Fex Centres during the year.

2.6 Investments

The net investments of the Bank stood at Rs.21,324 crore as on 31.03.2010 as against Rs.18,382 crore as on 31.03.2009, registering growth of 16 per cent. 77.94 per cent of the portfolio was held under Held to Maturity (HTM) category, 22.05 per cent in Available for Sale (AFS) and balance 0.01 per cent in Held for Trading (HFT) category. The net interest income from investment increased by 31.12 per cent to Rs.1,297.90 crore from Rs.989.84 crore during the last year.

2.7 Borrowings

The Borrowings of the Bank as on 31.03.2010 stood at Rs. 129.45 crore, including refinance of Rs.61.47 crore availed from NABARD and SIDBI. The total borrowings as at 31.03.2009 were Rs.190.01 crore.

2.8 Non Interest Income

The Bank continued its focus on enhancing non-interest income which rose to Rs. 591.24 crore during 2009-10 from Rs. 500.02 crore during 2008-09, registering growth of 18.24 per cent over 2008-09. The treasury operations have contributed about 34.55 per cent of the non-interest income. The Bank has been looking at new avenues to shore up its income and has consolidated its bancassurance, mutual fund distribution and government business. The Bank has introduced new value added services like online share trading to increase non-interest income.

2.9 व्यापारी बैंकिंग

वर्ष के दौरान बैंक ने जारीकर्ता व भुगतान कर्ता एजेंट के रूप में रु. 12,120.10 करोड़ के कमर्शियल पेपर के 69 निर्माणों का संचालन अपने ग्राहकों के लिए किया और रु.28.02 लाख की कमीशन कमाई.

2.10 निक्षेपी सेवाएं

बैंक सितंबर 1999 से ही भारतीय केंद्रीय निक्षेपी सेवाएं लिमिटेड (सीडीएसएल) का निक्षेपी सहभागी है. महानेट के स्थापित होने के साथ सभी अभिनिर्धारित शाखाओं के माध्यम से नामे अनुदेशों का सीधा अभिसंस्करण करने के अनुदेशों को स्वीकार किया गया. डीमैट खातों में शेष इत्यादि जैसे खाता स्तरीय प्रश्नों की जानकारी बैंक की सभी शाखाओं में उपलब्ध है. इन्टरनेट के माध्यम से खाते की स्थिति देखने के लिए बैंक मुफ्त में (सीडीएसएल के माध्यम से) ईएएसआई सुविधा उपलब्ध कर रहा है. महाबैंक जनसंपर्क केंद्रों पर प्रश्न अनुपालन सुविधा सुबह 7.00 बजे से रात 11.00 बजे तक उपलब्ध है. बैंक ने तीन ब्रोकरों से गठबंधन कर अपने ग्राहकों की सेवार्थ ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधा महा-ई-ट्रेड का शुभारंभ किया है. महा-ई-ट्रेड में प्रतिभूतियों/निधियों पर ग्रहणाधिकार अंकित करना एक प्रमुख गुण है.

2.11 बैंक-बीमा

कारपोरेट एजेंसी समझौते के अन्तर्गत बैंक की सभी शाखाएं यूनाईटेड इंडिया इन्श्युरन्स कंपनी लिमिटेड और भारतीय जीवन बीमा निगम के जीवन बीमा व गैर जीवन बीमा उत्पादों का विक्रय करती हैं. बैंक ने वर्ष के दौरान 64,907 सामान्य बीमा और 15,497 जीवन बीमा पॉलिसियाँ बेचीं. **भारतीय जीवन बीमा ने अच्छे कार्य निष्पादन के कारण बैंक की 68 शाखाओं को "बीमा बैंक" शाखा घोषित किया.**

बैंक सभी प्रकार के जमा धारकों के लिए महा सुरक्षा जमा योजना व आवास ऋणकर्ताओं के लिए महा गृह सुरक्षा योजना नामक दो समूह बीमा योजनाओं की सुविधा देता है. यह योजनाए वहन योग्य लागत पर ऋण जोखिम कम करती हैं

2.12 म्युचुअल फण्ड गतिविधि

बैंक की सभी शाखाओं में 16 चुनिंदा म्युचुअल फण्डों में निवेश का विकल्प ग्राहकों को है.

2.13 क्रेडिट कार्ड

बैंक ऑफ इंडिया के साथ बैंक अपनी सभी शाखाओं के माध्यम से वर्ष 1991 से मास्टर कार्ड के सहयोग से यह कारोबार कर रहा है. 31.03.2010 को कार्ड आधार 73,210 का था.

2.14 नेटवर्थ

बैंक की निवल वर्थ 31.03.2009 के रु.1,749.31 करोड़ की तुलना में 31.03.2010 को बढ़कर रु.2,114.46 करोड़ की हो गई जो मुख्यतः लाभ को पुनर्लैंगन करने के कारण बढ़ी.

2.15 पूंजी पर्याप्तता अनुपात

दिनांक 31.03.2010 को बेसल II मानदंडों के अनुसार बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदंड 9 प्रतिशत की तुलना में 12.78 प्रतिशत का रहा. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 6 प्रतिशत की तुलना में टीयर I पूंजी पर्याप्तता अनुपात 6.41 प्रतिशत रहा.

2.16 आय, व्यय और लाभप्रदता

बैंक की कुल आय 31.03.2009 के रु. 4,791.58 करोड़ से बढ़कर दिनांक 31.03.2010 को रु. 5,326.81 करोड़ की हो गई इस प्रकार 11.17 प्रतिशत की वृद्धि हुई. विवरण इस प्रकार है :

(रु. करोड़ में)

विवरण	2008-09	2009-10	अंतर(%)
अग्रिम/ बिलों पर ब्याज/ डिस्काउंट	3266.60	3369.63	3.15
निवेश पर आय	989.84	1297.90	31.12
अन्तर बैंक उधारी पर ब्याज एवं अन्य ब्याज	35.12	68.03	93.71
कुल ब्याज आय	4291.56	4735.56	10.35
अब्याजी आय	500.02	591.24	18.24
कुल आय	4791.58	5826.81	11.17
जमा पर ब्याज	2783.22	3183.06	14.37
उधारी पर ब्याज	251.81	256.25	1.76
ब्याज खर्च	3035.03	3439.31	13.32
स्टाफ खर्च	579.62	655.50	13.09
गैर स्टाफ खर्च	383.40	417.45	8.88
कुल अब्याजी खर्च	963.02	1072.95	11.41
कुल परिचालन खर्च	3998.05	4512.25	12.86
परिचालनगत लाभ	793.52	814.55	2.65
प्रावधान व आकस्मिकताएं	418.36	374.97	-10.37
निवल लाभ	375.17	439.58	17.17

2.9 Merchant Banking

The Bank handled 69 issues of Commercial Paper amounting to Rs.12,120.10 crore for its clients as an issuing and paying agent during the year and earned commission income of Rs.28.02 lakh.

2.10 Depository Services

The Bank is a Depository Participant (DP) of Central Depository Services India Ltd. (CDSL) since September 1999. With the establishment of MAHANET, direct processing of debit transactions are accepted at all branches. Account level queries relating to demat account balances, etc. are available at all branches of the Bank. The Bank also provides free "EASI" facility (through CDSL) to view account position through Internet. Query compliance facility is available at Mahabank Facilitation Centre from 7.00 a.m. to 11.00 p.m. on all working days. The Bank has introduced the MAHA e-Trade (Online Share Trading) Service for its customers in association with three brokers. The unique facility of Lien marking on funds / securities is the salient feature of the MAHA e-Trade.

2.11 Bancassurance

All branches of the Bank sell life insurance products of LIC of India and Non-Life insurance products of United India Insurance Co. Ltd under corporate agency arrangements. The Bank sold 15,497 life insurance and 64,907 general insurance policies during the year. **The LIC of India declared 68 branches of the Bank as "Bima Bank" for their performance.**

The Bank offers two group insurance schemes namely Maha Suraksha Deposit Scheme for all deposit account holders and Maha Grih Suraksha for those availing home loans to facilitate life cover, which also mitigates credit risk at a very affordable cost.

2.12 Mutual Fund Activity

The customers of the Bank have choice of investing in schemes of 16 select Mutual Funds at all branches of the Bank.

2.13 Credit Card

The Bank has been in business of credit card in affiliation with Master Card since 1991 through all its branches with card base of 73,210 as at 31.03.2010. This is in association with Bank of India.

2.14 Net Worth

Net worth of the Bank has improved from Rs.1,749.39 crore as on 31.03.2009 to Rs. 2,114.46 crore as on 31.03.2010, mainly due to plough back of profits.

2.15 Capital Adequacy Ratio

As on 31.03.2010, in terms of Basel II norms, the capital adequacy ratio stood at 12.78 per cent as against the minimum stipulated norm of 9 per cent prescribed by RBI. The Tier I capital adequacy ratio stood at 6.41 per cent as against RBI's prescription of 6 per cent.

2.16 Income, Expenditure and Profitability

There has been a rise in total income from Rs. 4,791.58 crore at March 2009 to Rs. 5,326.81 crore at March 2010, i.e. a growth of 11.17 per cent during the year. The details of income components are as under:

(Rs. in crore)

Particulars	2008-09	2009-10	Variation (%)
Interest/ discount on advances/ bills	3266.60	3369.63	3.15
Income on investments	989.84	1297.90	31.12
Interest on interbank lending & other interest	35.12	68.03	93.71
Total interest income	4291.56	4735.56	10.35
Non-interest income	500.02	591.24	18.24
Total income	4791.58	5826.81	11.17
Interest on deposits	2783.22	3183.06	14.37
Interest on borrowings	251.81	256.25	1.76
Interest expenditure	3035.03	3439.31	13.32
Staff expenses	579.62	655.50	13.09
Non staff expenses	383.40	417.45	8.88
Total non interest expenses	963.02	1072.95	11.41
Total operating expenses	3998.05	4512.25	12.86
Operating profit	793.52	814.55	2.65
Provisions and contingencies	418.36	374.97	-10.37
Net profit	375.17	439.58	17.17